Hindi Murli Quiz 04-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **सतसंग करना माना -**

A. बाप की याद में रहना
B. सेवाकेंद्र पर ज्ञान सुनने जाना
C. बाप से ज्ञान सुनना

Q.2) **भक्ति भी पहले अव्यभिचारी है फिर गिरते-गिरते व्यभिचारी भक्ति होने से तमोप्रधान बन जाते हैं फिर उनको सत का संग जरूर चाहिए ।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.3) **बांधेलियां तन से भल परतन्त्र हैं लेकिन मन से यदि स्वतन्त्र हैं तो अपनी वृत्ति द्वारा, शुद्ध संकल्प द्वारा विश्व के वायुमण्डल को बदलने की सेवा कर सकती हैं । आजकल विश्व को आवश्यकता है मन के शान्ति की । तो मन से स्वतन्त्र आत्मा मन्सा द्वारा शान्ति के वायब्रेशन फैला सकती है । शान्ति के सागर बाप की याद में रहने से आटोमेटिक शान्ति की किरणें फैलती हैं । ऐसे शान्ति का दान देने वाले ही वाचा महादानी हैं ।**

A. गलत
B. सही

Q.4) **बाप कहते हैं मैं एक ही बार आता हूँ । अभी आत्मा का परमात्मा से संग होने से तुम 21 जन्म के लिए पार हो जाते हो । फिर तुमको संग लगता है __ का ।**

A. देह
B. रावण
C. सन्यासियों
D. भक्ति
E. काम

Q.5) **याद नहीं करते हैं तो देह- अभिमान में हैं, देह तो असत चीज है ना ।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.6) **साधू-सन्त आदि तो समझते हैं आत्मा निर्लेप है, सभी परमात्मा ही परमात्मा हैं । ....**

A. तो इसका मतलब आत्मा ही पतित- पावन है |
B. तो इसका मतलब आत्मा सो परमात्मा है |
C. तो इसका मतलब परमात्मा में खाद पड़ी है |

Q.7) **बाप वर्ल्ड ऑलमाइटी अथॉरिटी है ना, उन द्वारा बल मिलता है । इसमें सब वेदों-शास्त्रों के आदि-मध्य- अन्त का ज्ञान आ जाता है ।**

A. False
B. True

Q.8) **सतसंग की आवश्यकता तुम बच्चों को अभी ही है - क्यों?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. तमोप्रधान आत्मा एक सत बाप, सत शिक्षक और सतगुरू के संग से ही सतोप्रधान अर्थात् काले से गोरी बन सकती है ।
B. बिना सतसंग के निर्बल आत्मा बलवान नहीं बन सकती ।
C. बाप के संग से आत्मा में पवित्रता का बल आ जाता है, 21 जन्म के लिए उसका बेड़ा पार हो जाता है ।

Q.9) **भल कहते हैं हम सतसंग में जाते हैं परन्तु वह __ में आ जाते हैं ।**

A. देह- अभिमान

B. अहंकार

C. भक्ति

Q.10) **सतसंग नाम यह ___ चला आता है ।**

A. अविनाशी

B. परम्परा से

C. द्वापरयुग से

D. सतयुग से